Indian Journal of Modern Research and Reviews

This Journal is a member of the *'Committee on Publication Ethics'*

Online ISSN:2584-184X

Research Paper

भारतीय समाज में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की आर्थिक, राजनीतिक, व व्यावसायिक स्थिति का अध्ययन।

प्रोफेसर, डॉ. संतोष कुमारी *

विभाग समाजशास्त्र, जैन कन्या पीजी कॉलेज मुजफ्फरनगर, भारत

Corresponding Author: * डॉ. संतोष कुमारी

DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.18075761

सारांश

हम सभी जानते हैं कि भारतीयों का मुख्य व्यवसाय कृषि से अपनी आय अर्जित करना वह देश की उन्नति में अपना योगदान देना है कृषि ग्रामीण क्षेत्रों में आय का एक प्रमुख स्रोत है ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग कृषि उत्पादन से ही अपनी आय अर्जित में आजीविका चलाते हैं। साथ ही साथ देश भी आर्थिक रूप से कृषि पर आधारित है। यदि यह कहा जाए कि ग्रामीण क्षेत्रों में ही भारतीय आत्मा का निवास है तो इसे नकारा नहीं जा सकता जिस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुष व्यवसाय के रूप में मुख्यतः कृषि चुनते हैं इस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी भी प्रत्येक क्षेत्र में देखी जा सकती है ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं अपने आप को आर्थिक तोर पर सक्षम समर्थ बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के व्यवसायों का चुनाव कर रही है। चाहे वह पशुपालन हो चाहे वह किसी प्रकार के हथकरघा कड़ाई से जुड़ा हुआ कोई व्यवसाय हो अथवा राजनीतिक रूप से सक्रियता भी महिलाओं की ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक रूप से देखी जा सकती है।

ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं आत्मनिर्भर होकर अपने आप को ही नहीं बल्कि समाज व राष्ट्र को भी आर्थिक सहायता में विकसित बनाने का कार्य कर रही है। महिलाएं पिछले कुछ दशकों में स्वयं तो आत्मनिर्भर बनी है। साथ ही साथ उन्होंने अपने परिवार को भी सक्षम में विभिन्न आयाम अधिक समर्थ बनाने का कार्य किया है इसके विभिन्न उदाहरण समाज में देखने को आज मिल सकते हैं इस शोध पत्र में यही अध्ययन किया गया है कि किस प्रकार ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं अपने आप को आर्थिक व्यावसायिक व राजनीतिक रूप से सक्रियता प्रदान कर रही है वह किस प्रकार अपनी भागीदारी समाज व राष्ट्र के विकास में लग रही हैं।

Manuscript Info.

- ✓ **ISSN No:** 2584-184X
- ✓ **Received:** 19-10-2024
- ✓ **Accepted:** 28-11-2024
- ✓ **Published:** 30-12-2024
- ✓ **MRR:2(12):**2024;56-59
- ✓ **©2024, All Rights Reserved.**
- ✓ **Peer Review Process:** Yes
- ✓ **Plagiarism Checked:** Yes

How To Cite

डॉ. संतोष कुमारी. भारतीय समाज में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की आर्थिक, राजनीतिक, व व्यावसायिक स्थिति का अध्ययन।. Indian Journal of Modern Research and Reviews: 2024; 2(12):56-59.

मुख्य शब्द: भारतीय समाज, ग्रामीण क्षेत्र, महिलाएं, आर्थिक, राजनीतिक, व्यवसायिक।

© 2024 प्रोफेसर, डॉ. संतोष कुमारी. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

प्रस्तावना

भारतीय समाज एक आत्मनिर्भर समाज की श्रेणी में आता है। भारतीय समाज और अधिक आत्मनिर्भर तब हो जाता है। जब महिलाओं की सक्रियता इसमें सकारात्मक रूप से देखी जा सकती है। भारतीय समाज इसका जीता जागता उदाहरण है कि किस प्रकार समाज में महिलाएं अपनी अहम भूमिका निभा रही है। वह परिवार को संभालने के साथ-साथ विभिन्न व्यावसायिक कार्यों की भागीदारी से अपने आप को आर्थिक रूप से सक्षम बना रहे हैं। प्रस्तुत पत्र में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं पर अध्ययन किया गया है कि किस प्रकार व अपने आप को राजनीति में सक्रिय, विभिन्न व्यवसाय का चुनाव करके अपने परिवार को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने व आर्थिक रूप से अपने आप को सुधार करने का कार्य कर रही है। प्राचीन काल से ही भारत में महिलाओं की एक अपनी अलग जगह रही है। इसके बहुत से उदाहरण हम देख सकते हैं कि किस प्रकार आवश्यकता पड़ने पर महिलाओं ने शासन व शासन के रूप में अपनी अहम जिम्मेदारियां को निभाया है। भारत की महिलाएं आज प्रत्येक क्षेत्र में जैसी कृषि, तकनीकी, शिक्षा, वाणिज्य, शासन,प्रशासक, राजनीति, सभी क्षेत्रों में अपनी अहम भागीदारी निभा रही है। इस शोध पत्र में में भी हम यही अध्ययन करेंगे कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं किस प्रकार आज आर्थिक व्यावसायिक व राजनीतिक रूप से अधिक सक्षम बन रही है।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व -

इस बात से नकारा नहीं जा सकता कि आज भारतीय महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में अपना प्रथम लहरा रही हैं। और वह भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान कर रही हैं। समाज ने भी आज महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार प्रदान किए हैं। वह उनकी रक्षा करना उनका कर्तव्य हैं। इसी बात का अध्ययन करने के लिए यह अति आवश्यक हो गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की वर्तमान स्थिति क्या है। क्या ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं भी आर्थिक रूप से सक्षम हुई है। व उनकी आर्थिक स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों में किस प्रकार की है। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को राजनीति में कितनी सक्रियता प्रदान की जा रही है अर्थात ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं राजनीति में किस प्रकार सक्रिय हैं। इसी के साथ-साथ इस बात का अध्ययन करना भी अति आवश्यक है कि सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभ के पश्चात ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं किस प्रकार व्यावसायिक रूप से सक्षम बनी है।

अध्ययन के उद्देश्य-

- भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति का अध्ययन करना।
- भारतीय समाज में महिलाओं की आर्थिक स्थिति का अध्ययन करना।
- भारतीय समाज में महिलाओं की राजनीतिक स्थिति का अध्ययन करना।
- भारतीय समाज में महिलाओं की व्यावसायिक स्थिति का अध्ययन करना।

शोध विधि व प्रक्रिया -

शोधार्थी द्वारा शि शिक्षण-अधिगम से सम्बन्धित विभिन्न आयोगों, शिक्षा नीतियों, रिपोर्टो का अध्ययन किया गया। साथ ही शिक्षण-अधिगम के विषय में विभिन्न विशेषज्ञों से विचार-विमर्श तथा सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन किया गया। शोधार्थी ने इस अध्ययन की आवश्यकता महसूस की कि क्या शिक्षण-अधिगम कों प्रभावित करने वाले कारक वातावरण से सम्बंधित है।

➢ महिलाओं की आर्थिक स्थिति -

भारतीय समाज में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की आर्थिक स्थिति का विवरण इस प्रकार है-

1.भारतीय समाज में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की आर्थिक स्थिति शहरी क्षेत्र की महिलाओं की आर्थिक स्थिति की तुलना में कमजोर है।

2. ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की आए शहरी क्षेत्र की महिलाओं की अपेक्षा में काम है।

3. ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की आय का मुख्य स्रोत कृषि है।

4. ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को आय अर्जित करने के स्रोत काम है।

5. ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को मुख्यतः घरेलू कार्यों में व्यस्त रखा जाता है।

6. ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की शैक्षिक स्थिति भी शहरी क्षेत्र की महिलाओं की तुलना में काम है।

7. ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं स्वयं रोजगार में भी काम योगदान दे रही हैं।

भारतीय महिलाओं की आर्थिक स्थितिरू प्रमुख आंकड़े (PFLS 2023.2024-2025)

मुख्य सूचकांक (Indicators)	Current Status / Data	Source / Reference
महिला श्रम शक्ति भागीदारी (FLFPR)	41.7% (वार्षिक 2023–24)	पीआईबी (PIB)
ग्रामीण महिला भागीदारी	39.7% (नवंबर 2025 तक)	पीआईबी

➢ भारतीय समाज में महिलाओं की राजनीतिक स्थिति -

1. भारतीय समाज में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं राजनीति में कम सक्रिय हैं।

2. राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं को पुरुषों के समान समान अधिकार अभी तक प्राप्त नहीं हुए हैं।

3. शहर की महिलाओं की तुलना में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं राजनीति में अपनी सक्रिय भागीदारी नहीं निभा रही है।

4. ग्रामीण क्षेत्रों में समझ में अभी भी पुरुष प्रधानता देखी जा सकती है।

5. ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं घरेलू कार्य को ही अपना सर्वधर्म समझती हैं।

6. ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं का पालन पोषण भी उनकी राजनीति में सक्रियता को प्रभावित करता है।

© 2024 प्रोफेसर, डॉ. संतोष कुमारी. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

7. सुरक्षा की भावना भी महिलाओं को राजनीति से दूर बनाए हुए हैं।
8. भारत की सांस्कृतिक विरासत भी महिलाओं की राजनीति में सक्रियता को बंधक बनाए हुए हैं।
9. सामाजिक व सांस्कृतिक उत्तरदायित्व भी महिलाओं की राजनीति में सक्रियता को प्रभावित करते हैं।
10. लैंगिक असमानता भी महिलाओं को राजनीति में आने के लिए अवरोधन का कार्य करती है।

➢ **भारतीय समाज में महिलाओं की व्यवसायिक स्थिति -**

भारतीय समाज में महिलाओं की व्यावसायिक स्थिति को इस प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है।

1. ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं व्यवसाय के रूप में या आय को अर्जित करने के मुख्य स्रोत के रूप में कृषि को देखते हैं।
2. **ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को मुख्यतः** कृषि से जोड दिया जाता है।
3. शहर की तुलना में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं केवल गांव तक ही सीमित रह जाती है।
4. शिक्षा के अभाव को भी ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं में रोजगार या व्यावसायिक की दृष्टि से बाधक माना जा सकता है।
5. **भारत में महिलाओं को मुख्यतः** घरेलू कार्यों से जोड़कर देखा जाता है।
6. परिवार की देखभाल की जिम्मेदारी महिलाओं पर लात दी जाती है जिसके कारण वह अपने व्यवसाय के बारे में नहीं सोच पाती हैं।
7. ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं भी स्वयं को घरेलू कार्य में व्यस्त रखती हैं।
8. ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की आर्थिक स्थिति भी उनको व्यावसायिक रूप से सक्षम बनाने में बाधक है।
9. ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं संयुक्त परिवार में रहकर भी अन्य किसी व्यवसाय में नहीं आ पाती हैं।
10. ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं शहरी क्षेत्र की महिलाएं की तुलना में स्वयं को कम पढ़ा लिखा समझते हैं। जिसके कारण उनका मनोबल भी अन्य किसी व्यवसाय से जुड़ने का नहीं होता हैं।

भारतीय महिलाओं की आर्थिक स्थितिरू प्रमुख आंकड़े

मुख्य सूचकांक (Indicators)	वर्तमान स्थिति / आँकड़े	स्रोत / संदर्भ
शहरी महिला भागीदारी	**25.5%** (स्थिर)	पीआईबी
महिला श्रमिक जनसंख्या अनुपात (**WPR**)	**40.3%** (**2017–18** में यह **22%** था)	पीआईबी
महिला बेरोज़गारी दर	**3.2%** (घटकर)	पीआईबी

उपरोक्त बिंदुओं के आधार पर हम देख सकते हैं कि किस प्रकार भारतीय समाज में ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक राजनीतिक व्यवसाय की स्थिति दयनीय है इसको केवल सरकार द्वारा नित्य बनाकर वह उनको धरातल पर क्रियान्वित कर कर उभरा जा सकता है जिसके लिए सरकार पूर्व में भी बहुत सारी ऐसी योजनाएं चल रही हैं जिससे ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को आर्थिक राजनीतिक वह व्यावसायिक लाभ प्राप्त हो रहा है।

निष्कर्ष

उपरोक्त बिंदुओं का जब हमारे द्वारा गहनता से अध्ययन किया जाता है तो पता लगता है कि भारत में महिलाओं का तारा दिन प्रतिदिन आर्थिक राजनीतिक व्यावसायिक रूप से समृद्ध होता जा रहा है भारतीय शासन निरंतर महिलाओं की उन्नति के लिए विभिन्न योजनाएं चल रहा है। ताकि महिलाओं को भी पुरुषों के समान अधिकार व समाज में एक सामान्य प्रदान की जा सके पिछले कुछ दशकों में महिलाओं ने आर्थिक रूप से अपने आप को अधिक सक्षम बनाया है व समाज की उन्नति व देश की उन्नति में निरंतर योगदान दिया है एक महिला जितनी आर्थिक रूप से समृद्ध होगी भारत वर्ष उतना ही समृद्ध होगा व भारतीय संस्कृति की यही पहचान है। अर्थात इस बात से नकारा नहीं जा सकता कि भारत में महिलाओं की स्थिति का विभिन्न आयामों पर अध्ययन करने के बाद यह पता चला है कि पिछले कुछ दशकों के स्त पिछले कुछ दशकों के स्तर से अधिक अच्छी हैं।

उपरोक्त बिंदुओं का अध्ययन करने से हमें पता लगता है कि आज भी महिलाएं सुरक्षा की दृष्टि से पूर्ण रूप से सुरक्षित नहीं है इसलिए अति आवश्यक है कि महिलाओं के विभिन्न जीवन स्रोत को देखते हुए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं का शुभारंभ नीति निर्धारण करना चाहिए ताकि महिलाओं को और अधिक लाभ प्राप्त हो सके व महिलाएं देश के उद्यान में अपनी भागीदारी को और अधिक बढ़ा सकें।

सुझाव

भारत की महिलाएं कुछ विकसित देशों की तुलना में आज भी अपने आप को ठगा महसूस कर रही हैं। उनको धार्मिक व्यावसायिक व आर्थिक रूप से उतनी स्वतंत्रता प्राप्त नहीं है जितना कि विकसित देशों की महिलाओं को प्राप्त है। यदि भारतीय महिलाओं को भी अधिक अधिकार व सुरक्षा प्रदान की जाए तो भारत भी महिलाओं के विकास दर की उच्चता को प्राप्त कर सकता है इसलिए अति आवश्यक है भारतीय सरकार इस विषय पर नीति का निर्धारण कर कर उसको क्रियान्वित करें।

संदर्भग्रंथ सूची -

1. फुश्कार. मीडिया के सामाजिक सरोकार. नई दिल्ली: राधा पब्लिकेशन्स; 2007.
2. मीणा रामलखन. मीडिया विमर्श: आधुनिक संदर्भ. दिल्ली: कल्पना प्रकाशन; 2018.
3. श्रीवास्तव जतिन, राय एनाक्षी. सैद्धांतिक परिदृश्य: भारतीय न्यू मीडिया परिवेश से जुड़े मुद्दे. में: नारायण, सुनेत्रा सेन, नारायणन शालिनी, संपादक. इंडिया कनेक्टेड: न्यू मीडिया के प्रभावों की समीक्षा. नई दिल्ली: सेज पब्लिकेशन्स; 2019.
4. मुखर्जी राधाकमल. चिंतन परंपरा. नेशनल पीयर रिव्यूड जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज. 2023 जनवरी–जून; pp.156–157.
5. Kaur K, Singh J. ICT diffusion and divide in India: implications for economic policies. Pacific Business Review International. 2016;1.

© 2024 प्रोफेसर, डॉ. संतोष कुमारी. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

6. Olatunji JF, Lofty A, Nnachi, Oyedemi J. ICT and child labour in Nigeria: patterns, implications and prevention strategies. International Journal of Science and Research (IJSR). 2016 May 5.
7. Kushwaha R. Menace of child labour: context, problems and remedies. In: Vishwas U, editor. Research Line Journal. 2022 May–2022 Jul;46:8.
8. Internet Live Stats. Internet users by country – 2014 [Internet]. 2014 /cited 2024 Apr 14]. Available from: Internetlivestats.com
9. दृष्टि IAS. मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न /Internet]. Available from: https://www.drishtiias.com/hindi/mains-practice-question/question-3620
10. दृष्टि IAS. एनएसओ रिपोर्ट: शिक्षा पर डिजिटल डिवाइड के प्रभाव [Internet]. Available from: https://www.drishtiias.com/hindi/daily-news-analysis/nso-report-shows-stark-digital-devide-effects-education
11. सामान्य ज्ञान. डिजिटल इंडिया परियोजना की प्रमुख चुनौतियाँ [Internet]. Available from: https://www.samanyagyan.com/hindi/gk-digital-india-key-challenges-ofdigital-india-project.

Creative Commons (CC) License
This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.

© 2024 प्रोफेसर, डॉ. संतोष कुमारी. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/